प्रगतिशील महिला समिति

अलवर

उत्पीड़न के खिलाफ़ एवं सशक्तीकरण के संकल्प से अनुप्रेरित एक सतत् प्रयास

"स्वावलम्बन" निराश्रित महिला अल्पावास गृह, महिला चिकित्सालय, अलवर
पता : 43, पंचवटी, अलवर - 301001 (राज.) मो. 09414018702, 9079373758
E-mail : pragatisheelmahilasamiti@gmail.com
आयकर विभाग से 80 G में मान्यता प्राप्त

परिचय

प्रगतिशील महिला समिति एक स्वैच्छिक एवं गैर सरकारी संगठन है। राजस्थान संस्था पंजीकरण एक्ट के तहत दिनांक 30 नवम्बर 1988 को इसका पंजीकरण हुआ। संगठन की स्थापना कुछ समाजसेवी महिलाओं के प्रयासों का परिणाम थी जो इससे पूर्व निम्न वर्ग की असहाय स्त्रियों पर होने वाले अत्याचारों के खिलाफ, उन्हें न्याय दिलाने के लिए, संगठित रूप से सरकार एवं प्रशासन पर दबाव बनाती थीं और साथ ही पीड़ित महिलाओं को आर्थिक रूप से समर्थ व आत्मनिर्भर बनाने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण आदि का प्रबन्ध भी करती थीं।

विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान संपर्क में आए अन्य जनसंगठनों, प्रगतिशील बौद्धिकजनों एवं कतिपय संवेदनशील, जागरूक प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विचार विमर्श से यह तय किया गया कि एक औपचारिक संगठन की स्थापना कर, किए जाने वाले सामाजिक कार्यों को व्यवस्थित, क्रमबद्ध एवं नीतिगत रूप दिया जाए, संगठन को पंजीकृत करवाया जाए। तब से यह संगठन पीड़ित एवं बेसहारा तबकों के लिए निरंतर काम करता आ रहा है।

संस्था का उद्देश्य स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पर्यावरण चेतना का प्रसार तथा महिला उत्पीड़न एवं सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध आवाज उठाने के लिए लोगों को संगठित करना है, और इसी बदलाव को लाने के उद्देश्य से संस्था द्वारा विभिन्न कार्यक्रम किए जाते हैं।

1. मूल्य

A. प्रगतिशील महिला समिति का मूलमंत्र है संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही।
B. अधिकाधिक सहभागिता मूलक निर्णय प्रक्रिया को अपनाना ।
C. महिला मुद्दो पर सिर्फ महिलाओं ही नहीं अपितु पुरूषों में भी संवेदनशीलता और सहानुभूति जागृत कर उन्हें संस्था की गतिविधियों में निर्णायक व अहम भागीदारी प्रदान करना।

2. संस्था के उद्देश्य

A. महिलाओं के प्रति होने वाली सभी प्रकार की हिंसा को रोकने के उपाय करना।
B. महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा आर्थिक सुदृढ़ता प्रदान करने के लिए उन्हें रोजगारोन्मुखी कार्यक्रमों से जोड़ना।
C. बाल कल्याण हेतु विभिन्न परियोजनाओं से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करना।
D. पर्यावरण तथा जल प्रबंधन के लिए जागृति लाना।
E. समाज में वैचारिक परिवर्तन लाने तथा प्रबुद्ध वर्ग को संस्था के साथ जोड़ने के लिए संवेदनशील मुद्दो पर गोष्ठियाँ, सेमिनार, कार्यशाला तथा रैली व प्रदर्शनियों का आयोजन करना। अन्य समान धर्मा संस्थाओं के साथ मिलकर काम करना।

3. महिला हिंसा एवं उत्पीड़न के विरूद्ध कार्य :

संस्था द्वारा महिला उत्पीड़न तथा हिंसा के खिलाफ किए जाने वाले प्रयासों में मुख्य प्रयास है 2004 से परिवार परामर्श केन्द्र का संचालन।

The Beginning

Pragatisheel Mahila Samiti is Non-Government Organization registered under Registration Act 1958 on 30th Nov. 1988. The Organization is the result of relentless efforts of some active and socially sensitive women of Alwar. Though based in Alwar the whole State of Rajasthan is our area of operation. Healthcare, Education, Awareness about environment and its problems, Social issues, Exploitation, Awareness against Superstitions, Women's welfare are some of our prime concerns. Our primary aim is to bring about a change in the outlook of society for women so that we, as a state, can proudly claim to have independent and healthy female population.

1. Values :

- *Transparency accountability and sensitivity.*
- *To adopt collective decision making process.*
- *To sensitise men on women's issues and to recognize the significance of their participation in the working of the organisation.*

2. Goals :

- *To try and stop all kinds of violence against women.*
- *To get women involved in employment centric programmes.*
- *To arrange activities related to different government programmes on child welfare.*
- *To work for conservation of water and environmental awarness.*
- *To bring about a change in social outlook with the help of disccussions, seminars, workshops, rallies and exhibitions.*

3. Against Violence and Oppression

An important effort of the organisation for the welfare of society is family counselling centre (FCC). It is run in the Government Hospital for

जनसहयोग से 9 मई 2008 को ''स्वावलम्बन'' नाम से एक निराश्रित महिला गृह का भी शुभारम्भ किया गया। यहां उत्पीड़न और प्रताड़ना की शिकार महिलाओं के लिए भयमुक्त वातावरण तैयार कर उनमें आत्मविश्वास जागृत करने हेतु कई तरह के प्रयास किए जाते हैं। उन्हें खुलकर अपनी समस्या बताने और स्वविवेक से निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उत्पीड़ित महिलाओं को भयमुक्त सुरक्षित वातावरण, उचित सलाह, निःशुल्क आवास, भोजन तथा चिकित्सा सुविधा के अतिरिक्त स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याओं, परिवार कल्याण एवं उचित कानूनी सलाह भी प्रदान की जाती है।
महिला चिकित्सालय परिसर में चलने वाले इस केन्द्र का संचालन जन सहयोग से किया जा रहा है।

4. स्वालंबन की ओर कदम :
महिलाओं को आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करने की दृष्टि से कई व्यावसायिक प्रशिक्षण भी प्रदान किए जाते हैं। महिलाएं अपनी रूचि एवं कौशल के अनुसार इनमें दक्षता प्राप्त कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकती हैं तथा अपने परिवार का पालन–पोषण करने में सक्षम हो सकती हैं।

5. स्वावलम्बन :
सन् 2008 से 2021 तक संस्था के पास उत्पीड़ित महिलाओं के कुल 5174 मामले आ चुके है। 914 महिलाएं अल्प/दीर्घ अवधि तक निराश्रित महिला गृह में रह चुकी हैं। 186 लावारिस/गुमशुदा महिलाओं को इनके परिजनों तक पहुँचाया गया है / खरीद फरोख्त की शिकार 47 महिलाओं को पारिवारिक सुरक्षा प्रदान की गई है। 7 लड़कियों के विवाह करवाए गए। 15 लावारिस महिलाओं के प्रसव करवाए गए हैं। संस्था द्वारा केन्द्र पर लाई गई महिलाओं को 68,860/– रूपये आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई है।

6. जागरूकता :
महिला सशक्तीकरण के लिए संस्था द्वारा विभिन्न प्रयास किए जाते हैं। शहर के स्कूलों में जाकर छात्र/छात्राओं की समस्याओं को जानने का प्रयास किया जाता है तथा उनके समाधान तलाशने में मदद की जाती है। समाज में व्याप्त लिंग भेद, अशिक्षा, महिला उत्पीड़न, दहेज, गुड टच–बैड टच, आत्मरक्षा आदि विषयों पर संवाद कर उनमें जागृति लाने का प्रयास किया जाता है ताकि, वे एक जागरूक, सुशिक्षित एवं बेहतर नागरिक बन सकें।

संस्था द्वारा समय – समय पर सामयिक मुद्दों पर आवश्यकतानुरूप कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।
समाज की बेहतरी के लिए समर्पित कुछ जागरूक महिलाओं एवं पुरूषों का यह संगठन अपने लक्ष्यों की ओर निरंतर प्रयासरत व गतिशील है।

women. The organization provide help and counselling to women and their families. We provide a fearless and congenial atmosphere to victim women. There we do counselling on matters of health, family welfare and domestic violence. Proud to say that we got feasible solutions and resettled the families who are now happily living.

4. *Swavalamban :*
Swavalamban is the name of the shelter home that is being run by the samiti in the premises of Government Hospital for women, who are either destitutes or victims of domestic violence / human trafficing. We ensure their safety here with free boarding and lodging facilities. To develop their vocational skills we provide them healthy atmosphere.

5. *Women Empowerment*
Empowering women is to empower the society. We make various efforts and run training programmes of diverse nature to develop their skills. We communicate with their families.

6. *Training Programmes.*
With the help of Police, Media, Lawyers, Doctors and the people at grass-root level, we organise workshops on the burnning issues of the society. The talks are mainly on gender sensitisation female foeticide, sexual harassment, domestic violence, human trafficing etc.

7. *Health*
We organise medical camps, family-welfare camps, counselling camps, rallies, seminars, posters and slogan writing competitions.

"स्वावलम्बन" निराश्रित महिला अल्पावास गृह, महिला चिकित्सालय, अलवर

पता : 43, पंचवटी, अलवर - 301001 (राज.) मो. 09414018702, 9079373758

E-mail : pragatisheelmahilasamiti@gmail.com

आयकर विभाग से 80 G में मान्यता प्राप्त